जनपद बदायूं की भ्रमण आख्या

श्री अरविन्द कुमार त्रिपाठी, कंसल्टेंट (आई.ई.सी.), राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तरप्रदेश के नेतृत्व में डा. शम्सुल अमीन अंसारी, कार्यक्रम समन्वयक एवं श्री एस. पी. जायसवाल, डाटा एनालिस्ट की भ्रमण टीम द्वारा दिनांक 07 फरवरी से 11 फरवरी 2018 तक जनपद बदायूं का भ्रमण कर स्वास्थ्य सेवाओं का निरीक्षण किया गया भ्रमण आख्या निम्नवत है–

जिला महिला चिकित्सालय, बदायूं

भ्रमण दल द्वारा आर.बी.एस.के. समन्वयक के साथ जिला महिला चिकित्सालय, बदायूं का भ्रमण किया. वस्तु स्थिति निम्नवत है–

- जिला महिला चिकित्सालय में दो भवन पाए गए। नया एम0सी0एच0 विंग बनकर तैयार है, किन्तु समुचित मानव–संसाधन की कमी होने के कारण केवल ओ.पी.डी. जारी थी, जिससे केवल भू–तल का ही प्रयोग हो पा रहा है. पुरानी बिल्डिंग में प्रसव–कक्ष और दवा–स्टोर जारी है।
- सी.एम.एस. महिला डा. रेखा ने बताया की नए भवन में विद्युत–व्यवस्था के लिए डेडीकेटेड फीडर नहीं होने के कारण भवन का पूर्ण उपयोग नहीं किया जा रहा है।
- नवीन भवन की साफ–सफाई का टेंडर नहीं हो सकने के कारण अपर्याप्त सफाई पायी गयी. शौचालय और ओ.पी.डी. की बाहर का कारीडोर बुरी तरह गंदा होने के कारण सफाई के लिए रोगी कल्याण समिति के फंड को उपयोग करने की सलाह दी गयी।
- दोनों भवनों की फेसिलिटी ब्रांडिंग अच्छी स्थिति में पायी गयी है।
- आई.ई.सी. मानक के अनुसार पर्याप्त थी।
- सिटीजन चार्टर और दवाओं की सूची अद्यतन कराने का सुझाव दिया गया।
- स्वास्थ्य सेवाओं की आकस्मिकता की स्थिति में जन सामान्य के लिए उपयोग किया जाने वाला टोल फ्री नंबर कई जगह पाया गया।
- सी.एम.एस. द्वारा अवगत कराया गया नवीन भवन में सुरक्षा व्यवस्था नहीं होने के कारण कुछ निष्क्रिय आशाएं गर्भवती महिलाओं को स्वास्थ्य सेवाओं के खिलाफ भड़काकर प्राइवेट अस्पतालों में ले जा रही हैं. जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में भी उन्होंने यह मुद्दा उठाया, जिस पर जिला अधिकारी श्री दिनेश कुमार सिंह ने ऐसी आशाओं को चिन्हित करने के बाद पुलिसिया कार्यवाही करने के निर्देश दिए और सुरक्षा–व्यवस्था के लिए भी निर्देशित किया।
- जिला महिला चिकित्सालय में जननी सुरक्षा योजना के अंतर्गत लगभग सोलह सौ प्रसूताओं के लंबित भुगतान का विषय सी.एम.एस. द्वारा टीम को अवगत कराया गया. जिला स्वास्थ्य समिति की तददिनांक हुयी बैठक में टीम ने इस विषय को उठाया और बताया कि इसकी वजह जीरो बैलेंस के खातों का सत्यापन बैंक द्वारा नहीं किया जाना है. जिलाधिकारी ने सभी खातों की विस्तृत आख्या का निर्देश दिया ताकि बैंकों से बात कर जननी सुरक्षा योजना के लाभार्थियों को लंबित भुगतान किया जा सके।
- जिला महिला चिकित्सालय के आई.पी.डी. की संख्या माह अप्रैल से जनवरी तक एच.एम.आई.एस. पोर्टल पर भरी नहीं गयी थी, अतः सम्बंधित को इस कार्य को शीघ्रतः संपन्न करने के सुझाव दिये गये।

एस.एन.सी.यू. वार्ड के निरीक्षण बिंदु निम्नवत है–

- आठ स्वीकृत पदों के सापेक्ष सात स्टाफ नर्स कार्यरत है. रोस्टर के अनुसार दो स्टाफ नर्स तैनात थीं।
- वार्ड में बारह की क्षमता के सापेक्ष चार बच्चे भर्ती थे।
- कार्यरत ड्यूटी नर्सों को टीम द्वारा मास्क लगाने और हैण्ड ग्लब्स पहनकर कार्य करने का निर्देश दिया गया. कार्यरत स्टाफ को पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट की उपयोगिता के विषय जानकारी प्रदान की गयी और यह भी बताया गया की इनका उपयोग ना करने की दशा में उनके स्वास्थ्य पर पड़ने वाले विपरीत प्रभाव से अवगत कराया गया।
- तैनात स्टाफ को शार्प मैनेजमेंट के समबन्ध में कोई जानकारी नहीं थी. उक्त के सम्बन्ध में तैनात स्टाफ को जानकारी प्रदान की गयी. साथ ही डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी कंसल्टेंट और रोगी सहायता केंद्र के प्रबंधक को वार्ड में शार्प मैनेजमेंट से सम्बंधित सामग्री उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।
- इस वार्ड में क्लीनिंग चेकलिस्ट उपलब्ध नहीं थी. उक्त के सम्बन्ध में डिस्ट्रिक्ट क्वालिटी कंसल्टेंट एवं रोगी सहायता केंद्र प्रबंधक को चेकलिस्ट उपलब्ध कराने हेतु निर्देशित किया गया।
- इस वार्ड में दो सक्शन मशीन उपलब्ध थी, जो काम कर रही थीं।
- इस वार्ड के पास बनाए गए के.एम.सी. वार्ड में भरती तीन शिशुओं को उनकी माताओं द्वारा स्तन–पान कराया जा रहा था।

प्रसव कक्ष के निरीक्षण बिंदु निम्नवत है–

- प्रसव कक्ष की साफ–सफाई व्यवस्था अच्छी एवं व्यवस्थित नहीं पायी गयी.
- प्रसव कक्ष में समुचित मात्रा में प्रकाश की व्यवस्था नहीं थी उक्त के संबंध में कार्यरत चिकित्सक एवं मुख्य चिकित्सा अधीक्षिका को अवगत करा दिया गया एवं समुचित प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित कराने हेतु अनुरोध किया गया
- लेबर रूम में कार्यरत स्टाफ स्पिल ब्लड मैनेजमेंट के बारे में बताया गया. साथ ही स्टाफ को पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट्स के बारे में भी जानकारी प्रदान की गयी।
- वार्ड में बायो वेस्ट डिस्पोजल प्रबंधन सही प्रकार से नहीं हो रहा है।
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत भर्ती प्रसूताओं को भोजन प्रदान किया जा रहा था।

कार्यालय
रोगी सहायता
धूम्रपान वर्जित क्षेत्र
रोगी के अधिकार
रोगी के उत्तरदायित्व
स्वस्थ रहे तन, स्वस्थ रहे मन।
कृपया यहाँ पर वाहन खड़ा न करें।

जिला महिला चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधायें

कार्यालय मुख्य चिकित्सा अधिकारी
100शैय्या मातृ एवं शिशु चिकित्सालय
कार्यालय जननी सुरक्षा
सर्जीकल वार्ड
दिव्यॉग शौचालय
रोगी सहायता केन्द्र, बदायूँ

कार्यालय जननी सुरक्षा
सर्जीकल वार्ड
विश्व जनसंख्या दिवस 11 जुलाई 2017

दवाओं की सूची जिला महिला चिकित्सालय-बदायूँ

10
बी.पी.एल कार्ड-धारको हेतु
स्वास्थ्य समबन्धी किसी भी समस्या/ शिकायत हेतु निम्न टोल फ्री न० पर सम्पर्क करें।
18001805145

8
औषधि वितरण कक्ष

इंजेक्शन कक्ष
INJECTION ROOM
6
मरहम-पट्टी कक्ष
DRESSING ROOM
ड्रेसिंग रूम

लेबर रूम
LABOUR ROOM

जिला महिला चिकित्सालय
खाना देने का समय
सुबह - 6:30 से 7 बजे तक
दोपहर - 12:30 से 1 बजे तक
रात्रि - 8:30 से 9 बजे तक

प्रतीक्षालय
WAITING AREA
जिला महिला चिकित्सालय

100 शैय्या मातृ एवं शिशु चिकित्सालय

जेबकतरों से सावधान
BEWARE OF PICKPOCKETS
पंजीकरण
पंजीकरण
REGISTRATION

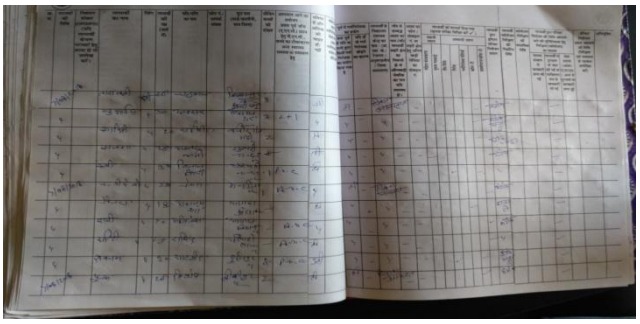

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र– बिनावर, जनपद बदायूं

- भ्रमण दल द्वारा निरीक्षण के समय दस बजे अधिकाँश कार्यरत स्टाफ उपस्थिति–पंजिका के आधार पर तैनात नहीं था. प्रभारी चिकित्सा डा. दुष्यंत सिंह विगत कई दिनों से बिना कारण बताये अनुपस्थित पाए गए। डा. नरेन्द्र पटेल ने स्वास्थ्य इकाई में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भ्रमण दल को जानकारी उपलब्ध कराई एवं स्वास्थ्य इकाई परिसर के भ्रमण में सहयोग प्रदान किया।
- विगत अगस्त माह से नर्स मेंटर का पद रिक्त है।
- अस्पताल में आई.ई.सी. का प्रदर्शन ठीक नहीं था।
- विगत छः माह से बायो मेडिकल वेस्ट इकाई में अपनी सेवायें प्रदान नहीं कर रहा है, इस समस्या को भ्रमण दल द्वारा जिला स्वास्थ्य समिति को अवगत कराया गया।
- प्रसव कक्ष में इमरजेंसी ट्रे में ग्लब्स, कार्ड क्लैम्प, मेडीसिन एवं तमाम इंजेक्शन एक्पायर्ड तारीख के पाए गए. मानकानुसार उन्हें डिस्पोज करने का तरीका भी सुझाया गया।

- प्रसव कक्ष में गन्दगी पाई गयी एवं डिलीवरी ट्रे में दवाऐं भी मानकानुसार उपलब्ध नहीं थी। कलर कोडेड डस्टबिन प्रोटोकॉल एवं बाओमेडिकलवेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा हैं। प्लेसेंटा एवं प्रसव सम्बन्धी अन्य कचरे का बाओ वेस्ट डिस्पोजल प्रबंधन नहीं हो रहा हैं ।
- इकाई में डिलीवरी रजिस्टर मानक के अनुसार नहीं पाए गए ।
- आशा शिकायत प्रकोष्ठ नहीं बनाया गया है, जिसे बनाकर एक पेटिका लगाने की सलाह दी गयी।
- एच.एम.आई.एस. रिपोर्ट की हस्ताक्षरित प्रति (पी.एच.सी. एवं सी.एच.सी.) अनुपलब्ध थी. वैलिडेशन कमेटी की मीटिंग भी नहीं कराई गयी थी, जिसे जल्द कराने की सलाह दी गयी।
- एच.एम.आई.एस. फॉर्मेट की ब्लैंक प्रति इकाई पर उपलब्ध नहीं थी ।
- वैक्सीनेशन रूम में डीप–फ्रीजर का रख–रखाव और रजिस्टर मेंटेन नहीं था।
- पैथोलोजी में स्पूटम, मलेरिया एवं हीमोग्लोबिन की ही जांच हो रही थी।
- परिवार कल्याण परामर्शदात्री मेहनाज परवीन ने बताया कि इकाई में तद्दिनांक नसबंदी शिविर जारी था।
- जनपद स्तर पर आर.बी.एस.के. की गाड़ियों का टेंडर नहीं होने के कारण विगत दो महीनों से चिकित्सकों का दल रोस्टर के अनुसार क्षेत्र में नहीं जा रहा है।
- इकाई के सभी शौचालय बहुत गंदे थे, जिन्हें साफ कराने के निर्देश दिए गए ।
- बी.पी.एम.यू. कार्यालय व्यवस्थित रूप से नहीं था अर्थात बहुत ही गन्दा था तथा रिकार्डो का रख–रखाव उचित रूप से नहीं था।

धूम्रपान वर्जित क्षेत्र
NO SMO

2
DOTS CENTER
पैथोलोजी
RNTCP APPROVED

पुरुष
महिला
102

शांति बनाये रखें
MAINTAIN SILENCE

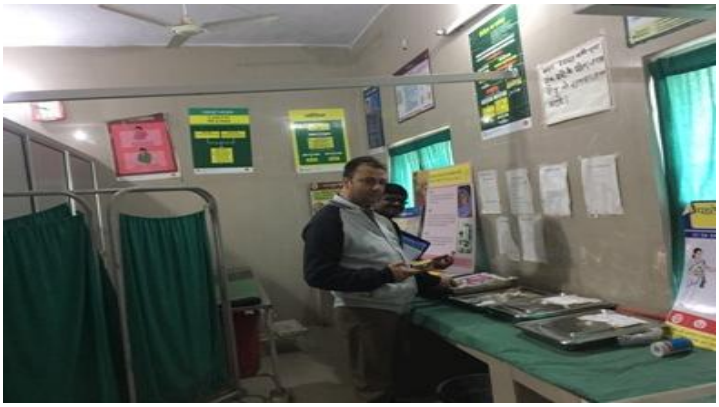

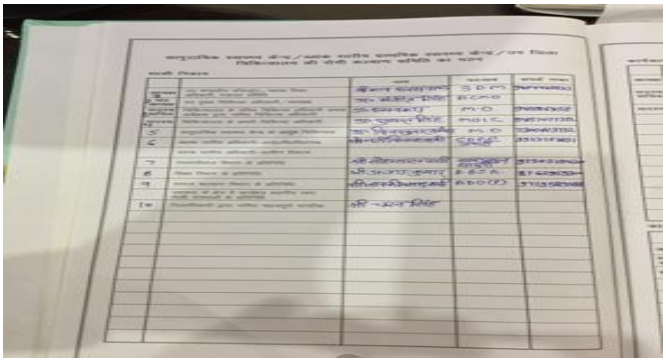

Sterile Disposable
Harsons
STERILE EO
Umbilical Cord Clamp
Sterile Disposable
STERILE EO
Harsons

2 ml.

CUT TO OPEN
DISPOSABLE
SURGICAL
LATEX GLOVES
1 PAIR
AS-TEX

निरोध
NIRODH

2
डॉटस सेन्टर
DOTS CENTER
पैथौलोजी
RNTCP APPROVED
MICROSCOPY CUM DOT CENTRE

नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र–हजरतपुर, विकास खण्ड–म्याऊँ, बदायूं

- भ्रमण दल द्वारा निरीक्षण के समय कार्यरत स्टाफ उपस्थिति–पंजिका के आधार पर तैनात नहीं था। प्रभारी चिकित्सा डा. आर. पी. सिंह स्वास्थ्य इकाई में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भ्रमण दल को जानकारी उपलब्ध कराई एवं स्वास्थ्य इकाई परिसर के भ्रमण में सहयोग प्रदान किया।
- अस्पताल में आई.ई.सी. का प्रदर्शन ठीक नहीं था।
- परिसर में गंदगी और अव्यवस्था फैली थी।
- इकाई की बाउंड्री और गेट गायब थे, भवन की पुताई भी लम्बे अरसे से नहीं हुयी थी और भवन जर्जर अवस्था में पाया गया।
- बायो मेडिकल वेस्ट के डिस्पोजल सम्बन्धी सेवा इकाई में प्रदान नहीं की जा रही है।
- प्रसव कक्ष में इमरजेंसी ट्रे में मेडीसिन एवं तमाम इंजेक्शन एक्पायर्ड तारीख के पाए गए । मानकानुसार उन्हें डिस्पोज करने का तरीका भी सुझाया गया।
- प्रसव कक्ष में गन्दगी पाई गयी एवं डिलीवरी ट्रे में दवाऐं भी मानकानुसार उपलब्ध नहीं थी। कलर कोडेड डस्टबिन प्रोटोकॉल एवं बाओमेडिकलवेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन नहीं किया जा रहा हैं सप्लेसेंटा एवं प्रसव सम्बन्धी अन्य कचरे का बाओ वेस्ट डिस्पोजल प्रबंधन नहीं हो रहा हैं।
- लम्बे अरसे से आवश्यक दवाएं उपलब्ध नहीं कराई गयी।
- बिजली और पानी की कोई व्यवस्था नहीं थी, जबकि प्रति–माह डिलीवरी की औसत संख्या 65 है।
- ब्लड–प्रेशर और वजन नापने की मशीन क्रियाशील नहीं थी।
- कार्यरत स्टाफ नर्स बाजार से दवा मंगवाकर प्रसव करवा रही थी।
- इकाई में डिलीवरी रजिस्टर मानक के अनुसार नहीं पाए गए ।
- आशा शिकायत प्रकोष्ठ नहीं बनाया गया है, जिसे बनाकर एक पेटिका लगाने की सलाह दी गयी।
- एच.एम.आई.एस. फॉर्मेट की ब्लैंक प्रति इकाई पर उपलब्ध नहीं था स।
- इकाई के सभी शौचालय बहुत गंदे थे, जिन्हें साफ कराने के निर्देश दिए गए।

वृक्ष जीवन दाता हैं।

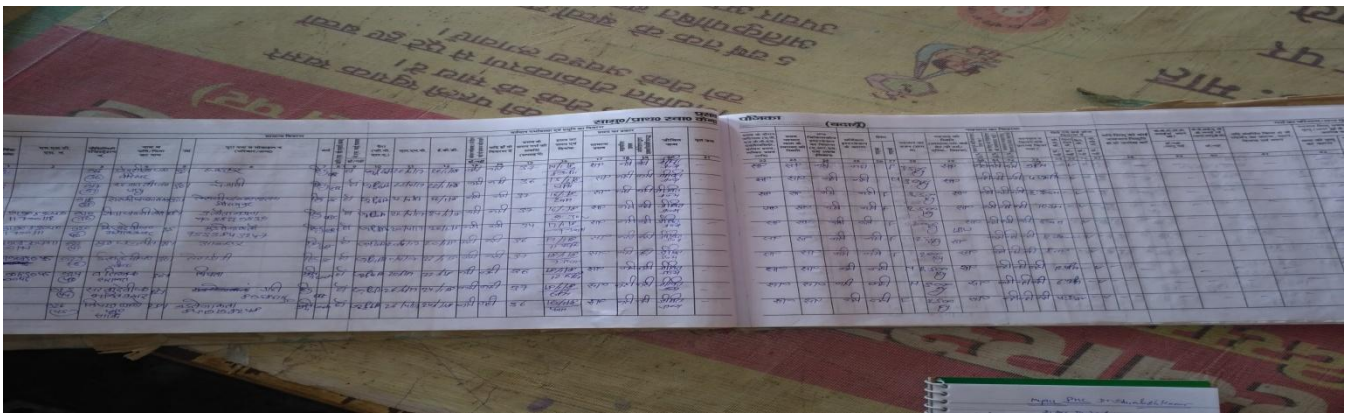

प्रसव केन्द्र

STERIMED
ISO 13485 : 2003 Certified Company
Manufactured in India by
Sterimed Medical Devices Pvt. Ltd.
38Km Stone, Delhi - Rohtak Highway
Bahadurgarh-124507, Haryana (INDIA)
E-Mail : Sterimed.corporate@gmail.com
www.sterimeddisposable.com
Customer Care No. +91-1276-326391
Mfg. Lic. No. 661 B(H)
SIZE : 16FR 30-50ml
LOT B. No. : 14B15
Mfg. Dt.: 2014-02
Exp. Dt.: 2017-01
M.R.P. ₹
(Incl. of all Taxes)

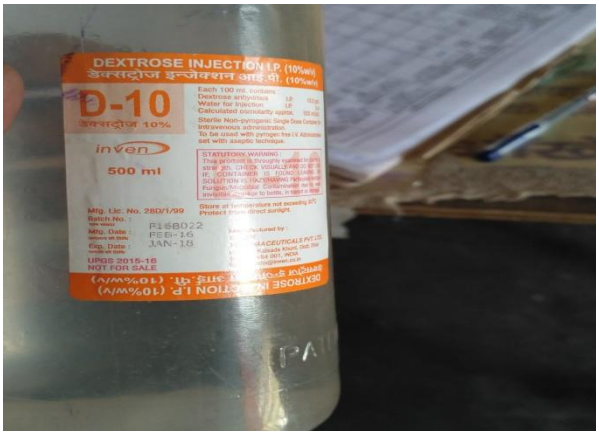

DEXTROSE INJECTION I.P. (10%w/v)
डेक्सट्रोज इन्जेक्शन आई.पी. (10%w/v)
D-10
डेक्सट्रोज 10%
inven
500 ml
Mfg. Lic. No. 28D/1/99
UPGS 2015-16
NOT FOR SALE

WELLCATH
Plus
I.V. Cannula
with Injection Port & Wings
Ref. No.: 1001
STERILE - NON TOXIC
PYROGEN FREE
STERILE EO

प्रसव कक्ष ड्यूटी रोस्टर मई 2017
#FullyImmun

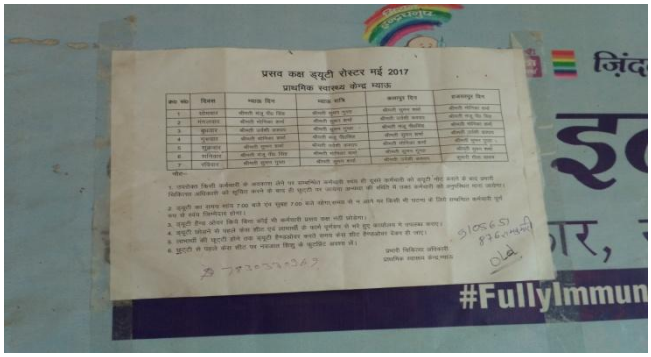

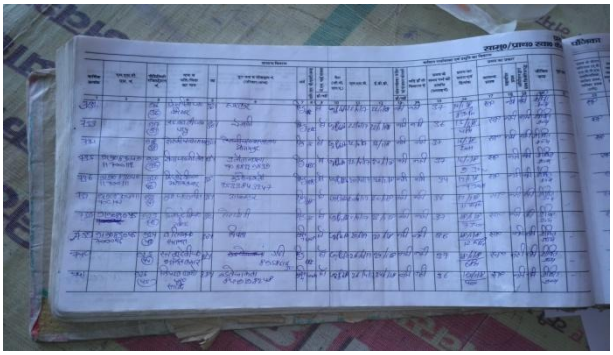

SAFCWAY
SINGLE USE NEEDLE
CE
0434

DICYCLOMINE HYDROCHLORIDE
Each ml contains :
Dicyclomine Hydrochloride IP
Chlorbutol IP 0.5% w/v
(as preservative)
Water for injection IP
Dosage: As directed by the Physician
For I.M./I.V use only
Mfg. Lic. No.: 28/17/78
Batch No.: DEI1507
Mfg. Date: 07/2015
Exp. Date: 06/2017

DICYCLOMINE

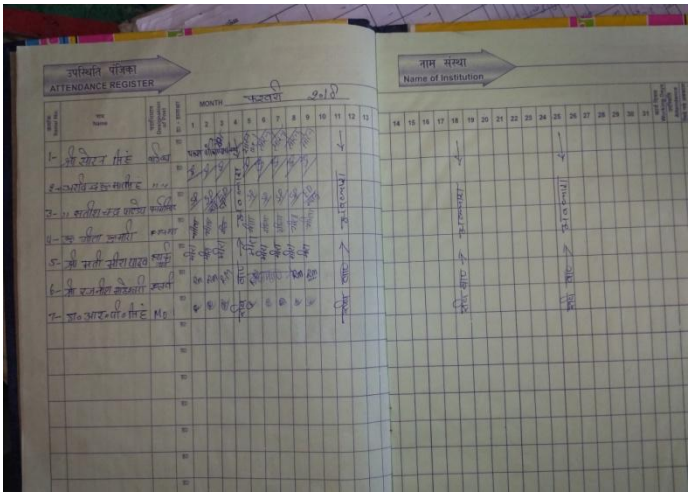

उपस्थिति पत्रिका
ATTENDANCE REGISTER
MONTH
नाम संस्था
Name of Institution

वी.एच.एन.डी. सत्र ग्राम पंचायत आसफपुर , विकास खण्ड जगत

भ्रमण दल द्वारा डी.सी.पी.एम. एवं बी.पी.एम. के साथ वी.एच.एन.डी. सत्र का अवलोकन किया गया सुश्री तारा, ए.एन.एम., आशा संगिनी सुश्री सोमा देवी एवं क्षेत्रीय आशा सुश्री गुड्डो देवी वी.एच.एन.डी. सत्र में उपस्थित थीं।

- वी.एच.एन.डी. सत्र का आयोजन ग्राम पंचायत आरिफपुर नवादा के भवन में हो रहा था।
- वी.एच.एन.डी. सत्र में ए.एन.एम. द्वारा टीकाकरण के उपरान्त हब–कटर का प्रयोग किया जा रहा हैं तथा बी.पी.मशीन भी कार्य कर रहा था।
- वी.एच.एन.डी. सत्र में ए.एन.एम. द्वारा टीकाकरण के उपरांत 4 key message लाभार्थियों को दिए जा रहे थे।
- एच.आर.पी. डिलीवरी मैनेजमेंट के बारे में ए.एन.एम. को जानकारी थी. उक्त के सम्बन्ध में आशा को जानकारी प्रदान की गयी की वह किस प्रकार उच्च जोखिम वाली महिलाओं का प्रसव प्रबंधन किया जाना हैं।

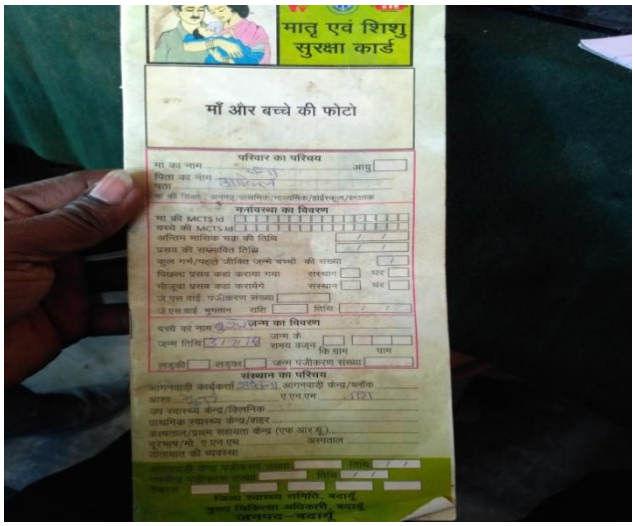

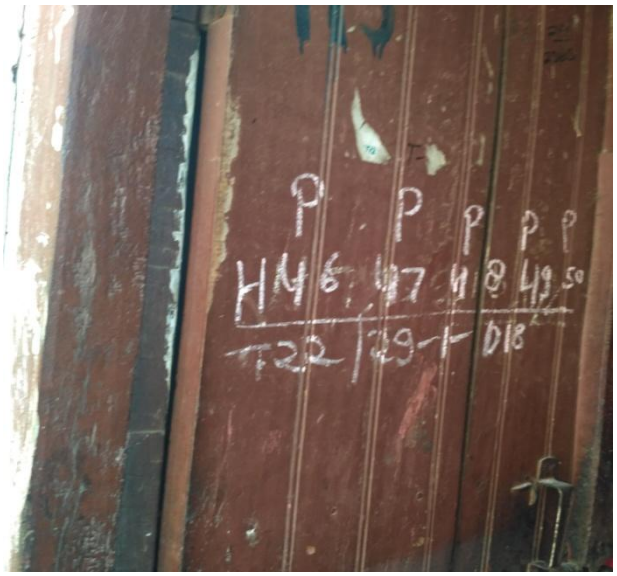

नेशनल डिवार्मिंग डे की गतिविधियाँ

दिनांक 10–02–2018 को नेशनल डिवार्मिंग डे के अवसर पर भ्रमण दल द्वारा ग्राम पंचायत आरिफपुर नवादा एवं सराय फकीर नगरीय क्षेत्र बदायूं में 04 स्कूलों एवं 01 आंगनबाड़ी केंद्र का भ्रमण किया गया वस्तु स्थिति निम्नवत है–

- प्राथमिक विद्यालय आरिफपुर नवादा, ब्लाक जगत।
- पूर्व माध्यमिक विद्यालय आरिफपुर नवादा, ब्लाक जगत।
- आगनबाड़ी केंद्र प्रथम एवं द्वितीय आरिफपुर नवादा, ब्लाक जगत।
- प्राथमिक विद्यालय वार्ड सराय फकीर बदायूं।
- पूर्व माध्यमिक विद्यालय (कन्या जूनियर हाई स्कूल) वार्ड सराय फकीर बदायूं।

टिप्पड़ी– जिलाधिकारी महोदय द्वारा नेशनल डिवार्मिंग डे के अवसर पर प्राथमिक विद्यालय वार्ड सराय फकीर बदायूं के प्रांगण में दोपहर के 12.30 बजे से बच्चो को अल्वेंडाजाल की दवा खिलाई गयी। जिलाधिकारी महोदय एवं एस0पी0एम0यू0, एन0एच0एम0 टीम द्वारा साफ–सफाई के बारे में पूर्ण जानकारी बच्चो को दी गयी ।

प्राथमिक विद्यालय आरिफपुर नवादा
वि. क्षे. जगत (बदायूँ)
10-02-2018 11:26

ENGLISH MEDIUM MODEL SCHOOL
PRIMARY SCHOOL ARIFPUR NAWADA
CLASS1 TO CLASS 5 Th
BLOCK - JAGAT, DISTT - BUDAUN
10-02-2018 11:26

10-02-2018 11:42

WELCOME
UPPER PRIMARY SCHOOL
10-02-2018 11:56

विकास क्षेत्र - जगत , ज़िला - बदायूँ
10-02-2018 12:11

10-02-2018 11:58

आँगनबाड़ीकेन्द I II
ग्राम आरिफपुर नवादा
वि.क्षे. जगत, बदायूँ
10-02-2018 12:22

10-02-2018 12:16

10-02-2018 12:16

10-02-2018 12:42

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, बदायूँ
10 फरवरी 2018 - राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस
का शुभारम्भ
बूथ उद्घाटन

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, बदायूँ

10-02-2018 12:46

10-02-2018 12:43

10-02-2018 12:36

10-02-2018 12:35

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र म्याऊँ, ब्लाक म्याऊँ

प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र म्याऊँ, ब्लाक म्याऊँ में भ्रमण दल द्वारा निरीक्षण के समय कार्यरत प्रभारी चिकित्सा अधिकारी, डा. भुपनेश कुमार सिंह एवं खण्ड कार्यक्रम प्रबन्धक रवि पारासरी सूचना के उपरान्त उपस्थिति नहीं थे। मेडिकल ऑफिसर डा. आर. पी. सिंह उपस्थित थे। डा. आर. पी. सिंह द्वारा स्वास्थ्य इकाई में प्रदान की जाने वाली चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं के बारे में भ्रमण दल को किसी प्रकार की जानकारी उपलब्ध नही कराई और स्वास्थ्य इकाई परिसर के भ्रमण में सहयोग प्रदान नही किया गया।

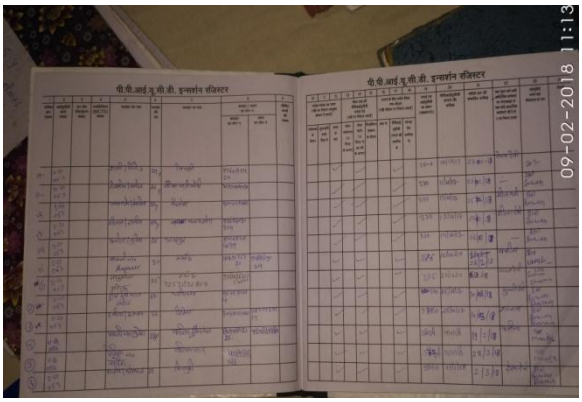

विस्तृत आख्या–

जनपद बदायूँ के जिला महिला अस्पताल, जिला अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र बिनावर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र म्याऊँ, नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र हजरतपुर एवं वी0एच0एन0डी0 ग्राम पंचायत आरिफपुर नवादा में स्वास्थ्य सम्बन्धित निरीक्षण किया गया। जिसमें यह देखा गया कि सर्दी जुकाम, बुखार पेट दर्द, दस्त, एवं अन्य छोटी बीमारियों के लिए पर्याप्त दवाऐं स्वास्थ्य केन्द्रों में उपलब्ध नही थी डिलीवरी के समय आक्सीटोक्सीन एवं अन्य दवाऐं नही उपलब्ध है जो बाजार से मरीजो द्वारा क्रय कराई जा रही है स्वास्थ्य केन्द्रों में मरीजो से वार्ता करने पर पता चला कि सम्बंधित दवाऐं कई महीनों से नही मिल रही है और स्वास्थ्य केन्द्रों में बहुत सी दवाऐं एक्सपायरी डेट की प्रयोग की जा रही है जिसमें यह देखा गया कि मण्डलीय स्तर, जिला स्तर एवं जिला कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई स्तर से मॉनिटरिंग नही की जा रही है। जिला कार्यक्रम प्रबन्धक वर्तमान में बरेली में अटैच हैं और बरेली के जिला कार्यक्रम प्रबन्धक के पास बदायूं का अतिरिक्त कार्य भार है जिससे दोनों जनपदों का कार्य प्रभावित हो रहा है।

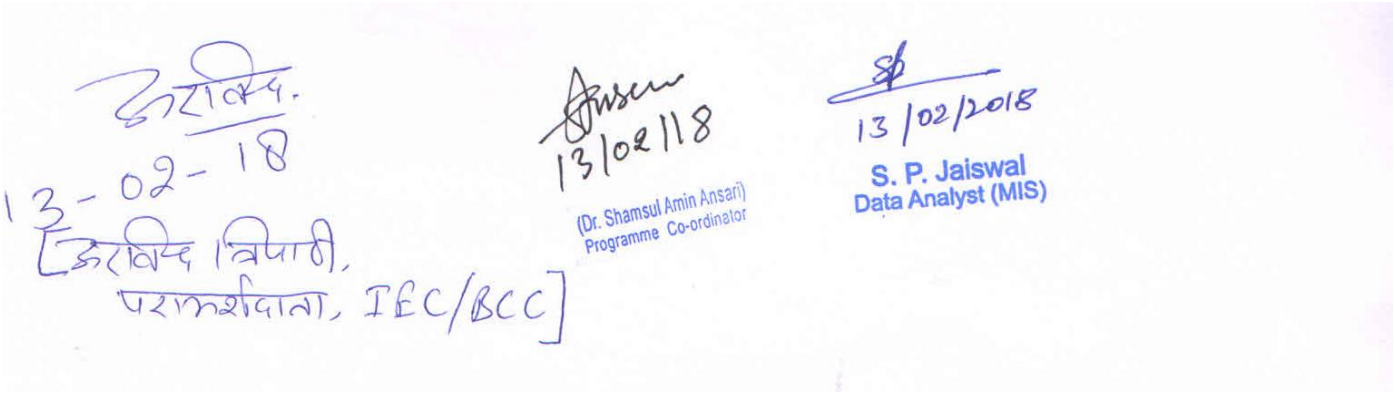

बिनावर सीएचसी पर छापेमारी के बाद पता चला कि उपयोग किए दस्तानों से हो रही डिलीवरी, महीनों से नहीं बदले

लखनऊ से आई टीम ने पकड़ीं एक्सपायरी दवाएं

बदायूं | हिन्दुस्तान संवाद

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की लखनऊ टीम ने बदायूं में छापा मारा है, जिसमें सीएचसी पर टीम को दवाएं और वैक्सीन एक्सपायर मिलीं। इसके सर्दी बुखार जैसी दवाएं मौके पर नहीं मिली हैं। छापेमारी में मिली चौपट व्यवस्थाओं पर टीम ने डीएम से भी वार्ता की है और गोपनीय रिपोर्ट तैयार की है।

गुरुवार को राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की तीन सदस्यीय टीम जिला मुख्यालय पहुंची। यहां टीम लीडर कंटलसेंट आईईसी अरविंद त्रिपाठी तथा समसुल अमीन अंसार, शिव कुमार जायसवाल सबसे पहले बिनावर सीएचसी पर पहुंचे। यहां उन्होंने सीएचसी केंद्र पर निरीक्षण किया है। इस दौरान टीम को इमरजेंसी में यूज दस्ताने तथा गंदगी मिली है। वहीं कई अव्यवस्थाएं मिली हैं। इधर दवा स्टोर पर दवाएं एक्सपायर एवं, वैक्सीन भी एक्सपायर मिले हैं। इसके अलावा सीएचसी पर आयरन व कैल्शियम की दवाएं नहीं मिली हैं। टीम ने यहां की चौपट व्यवस्थाओं की गोपनीय रिपोर्ट तैयार की है। महिला अस्पताल का निरीक्षण किया, तो यह भी स्थिति यहां भी मिली है। टीम ने बदायूं की चौपट व्यवस्थाओं की पोल खोल दी है। इस पर सीएमओ और डीएम से बात की गई है, इसको लेकर डीएम भी नाराज हो हुए। टीम लीडर अरविंद त्रिपाठी ने बताया कि उनकी टीम जिले में तीन दिन 8, 9, 10 फरवरी तक निरीक्षण करेगी।

रिपोर्ट तैयार

- महिला अस्पताल और सीएचसी दी जा रही एक्सपायर दवा
- लखनऊ से आई टीम को चौपट मिली जिले की स्वास्थ्य सेवाएं

लापरवाही की हद- बिनावर सीएचसी की ओपीडी में रखी एक्सपायरी डेट दवाएं। • हिन्दुस्तान

एमओआईसी का रुकेगा वेतन

जिले में जिला महिला अस्पताल के अलावा सीएचसी केंद्रों पर डिलीवरी के बाद एमआईएस की फीडिंग में लापरवाही की जा रही है। जिला मुख्यालय पर फीडिंग को लेकर लटकाया जा रहा था। इस पर गुरुवार को जब डीएम के साथ जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक हुई, तो बीपीएम और आपरेटर का वेतन रोकने का निर्देश दिए गए। अफसरों ने डीएम से कहा कि इसमें लापरवाही एमओआईसी की भी है तो डीएम ने एमओआईसी का वेतन रोकने को भी निर्देश दिए गया है।

सीएमओ को पता ही नहीं कौनसी टीम आई

शासन स्तर से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के हालात देखने आई टीम ने गुरुवार को जिला महिला अस्पताल और बिनावर सीएचसी का निरीक्षण किया। सीएमओ की माने तो जिले में निरीक्षण करने आई टीम वह यूपीएचएसडीपी की है, जबकि निरीक्षण राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई की टीम ने किया है।

"मिशन निदेशक ने शासन स्तर पर कर्मचारी भर्ती किए और आदेश भेज दिया, मेरा काम था ज्वाइनिंग कराने का तो मैंने आदेश रिसीव कर लिया, अब डीएम ने सभी की ज्वाइनिंग को रोक दिया, जांच के निर्देश दिए हैं। कमेटी बनाई गई है, पहले सभी कर्मचारियों की नियुक्ति तथा दस्तावेजों की जांच होगी। -डॉ. नेमी चंद्रा सीएमओ बदायूं

डीएम की एनएचएम की नई भर्ती में ज्वाइनिंग पर रोक

बदायूं | हिन्दुस्तान संवाद

स्वास्थ्य विभाग के एनएचएम में कई बार हुए घोटालों एवं घपलेबाजी के बाद अब नई भर्ती के बाद ज्वाइनिंग पर डीएम ने रोक लगा दी है। इससे स्वास्थ्य विभाग के शासन स्तर से लेकर जिला स्तर तक के अफसरों में हलचल मच गई है। डीएम ने साफ कह दिया कि पहले कर्मचारियों के दस्तावेज चेक किए जाएं और नियुक्ति की भी जांच पड़ताल की जाए।

जिले में एनएचएम के पैरा मेडिकल के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन ने 83 कर्मचारियों को भर्ती की है। इसके बाद मिशन निदेशक ने सीएमओ के लिए ज्वाइनिंग को लेकर आदेश जारी कर दिया है। लेकिन यहां बिना जिला स्वास्थ्य समिति के कर्मचारियों की तैनाती और ज्वाइनिंग नहीं हो सकती है। इस समिति के अध्यक्ष डीएम हैं और डीएम दिनेश कुमार सिंह ने भर्ती प्रक्रिया पर शक होने से ज्वाइनिंग पर रोक लगा दी है। इधर इन सभी कर्मचारियों की ज्वाइनिंग की अंतिम तारीख भी 19 फरवरी निर्धारित है। इसको लेकर स्वास्थ्य विभाग में हल्ला मचा हुआ है। सीएमओ चाह के भी कर्मचारियों को ज्वाइनिंग नहीं करवा पा रहे हैं। क्योंकि डीएम के बिना आदेश के किसी भी कर्मचारी की तैनाती नहीं हो सकती है। इसके लिए डीएम ने सीएमओ को कर्मचारियों की जांच के लिए 13 और 14 फरवरी तारीख तय की है और कमेटी बनाने के निर्देश दिए हैं। इस कमेटी में सीएमओ ने एसीएमओ डा. मंजीत सिंह, डीपीएम, डिप्टी सीएमओ और वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ओपी सिंह को शामिल किया है।

कलक्ट्रेट स्थित सभागार में गुरुवार को स्वास्थ्य अधिकारियों की बैठक लेते डीएम दिनेश कुमार व सीडीओ शेषमणि पाण्डेय। • हिन्दुस्तान

भर्ती घोटाले की नहीं हो सकी जांच

स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत दो वर्ष पहले कर्मचारियों की भर्ती की गई थी। जिसमें अफसरों ने सांठगांठ के साथ अतिरिक्त कर्मचारियों को भर्ती किया गया था और वह भी मानकों के विपरीत भर्ती किया गया था। इस पर शिकायत की गई और शासन स्तर पर खुलासा हुआ, तो डीएम ने जांच भी बैठाई। जिसमें एडीएम वित्त एवं राजस्व तथा सिटी मजिस्ट्रेट के साथ सीएमओ को जांच अधिकारी बनाया। फिर भी भर्ती घोटाले की जांच अधूरी लटकी हुई है।

घोटाले को लेकर डीएम अलर्ट

जिले में स्वास्थ्य विभाग में एनएचएम के तहत कई बार कर्मचारियों की भर्ती की जा चुकी है, लेकिन इन भर्ती को लेकर आए दिन शिकायतें हुई हैं और घोटाले सामने उजागर हुए हैं। डीएम ने इसीलिए इस बार कर्मचारियों की ज्वाइनिंग को लेकर रोक लगा दी है।

जिले में सीएचसी-पीएचसी पर एक्सपायर दवा से हो रहा इलाज, लखनऊ टीम ने म्यांऊ और हजरपुर पीएचसी पर मारा छापा

पीएचसी पर छापा, एमओआईसी-बीपीएम गायब

बदायूं | हिन्दुस्तान संवाद

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (लखनऊ) टीम ने जिले में छापेमारी कर हलचल मचा दी है और अधिकारियों कर्मचारियों के साथ डाक्टर भी छुट्टी लेकर भागने लगे हैं। टीम स्वास्थ्य विभाग के काले कारनामों को खोलकर मैदान में ला रही है। म्यांऊ पर टीम को देखकर बीपीएम समेत स्टाफ भाग गया, तो हजरतपुर से एक्सपायर दवाएं बरामद की हैं और लाखों रुपए का घोटाला भी पकड़ा है। टीम की इस छापेमारी को लेकर स्वास्थ्य विभाग के अफसर सहम गए हैं।

शुक्रवार को राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई (लखनऊ) की तीन सदस्यी टीम 11 बजे म्यांऊ पीएचसी पहुंच गई। लखनऊ टीम के लीडर कंटलसेंट आईईसी अरविंद त्रिपाठी तथा समशुल अमीन अंसार, शिवकुमार जयसवाल ने डीसीपीएम अरविंद राणा के साथ सीएचसी का निरीक्षण किया। टीम लीडर अधिकारी ने बताया कि स्टाफ ने बताया कि यहां से कुछ देर पहले ही बीपीएम रवि पराशरी तथा एमओआईसी डॉ. भुवनेश कुमार सिंह छुट्टी लेकर चले गए। टीम के अधिकारियों ने बताया कि वहां मौजूद लोगों ने बताया कि टीम की खबर सुनकर बीपीएम और एमओआईसी सबेत कई लोग छुट्टी लेकर चले गए हैं। इसके बाद फिर टीम ने पीएचसी हजरतपुर पर छापा मारा। जहां टीम को केंद्र से एक्सपायर दवा मिली है और टीम दवाएं साथ ले आई है। वहां पीएचसी की बाउण्ड्री टूटी मिली है, करीब पांच सौ मीटर रोड़ पीएचसी का टूटा हुआ है। इन दोनों निर्माण कार्यों का धन निकाला जा चुका है और व्यवस्थाएं चौपट हैं। इस पर टीम ने काफी दस्तावेज भी खंगाले हैं। खास बात यह है कि लखनऊ की टीम जिले में लगातार छापेमारी सीएचसी-पीएचसी पर कर रही हैं इसमें स्वास्थ्य विभाग के कारनामें खुल रहे हैं।

शुक्रवार को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जांच करती टीम। • हिन्दुस्तान

शुक्रवार को नवीन प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की जांच करते जाती टीम। • हिन्दुस्तान

मानक से नहीं हो रही थी डिलीवरी

हजरतपुर पीएचसी पर शुक्रवार को लखनऊ टीम के लिए मानकों से विपरीत डिलीवरी व्यवस्था मिली है। टीम का कहना है कि यहां अफसरों की अनदेखी में कर्मचारी महिलाओं के साथ सही तरीके के साथ डिलीवरी नहीं कर रही हैं और मानकों से विपरीत अवस्था में कभी भी कोई हादसा हो सकता है।

निरीक्षण से दूर रहे एसीएमओ

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई लखनऊ ने जिले में उक्त निरीक्षण कार्यक्रम शासन स्तरीय अधिकारियों का जिले में लगाया, तो शासन ने जिला स्तर पर सीएमओ को आदेश भेजा गया था। वहीं सीएमओ ने निरीक्षण में एसीएमओ डॉ. मंजीत सिंह की ड्यूटी भी लगाई है। दो दिन बीत चुके हैं टीम निरीक्षण कर रही है मगर एसीएमओ निरीक्षण में नहीं गए।

केंद्र पर चार महीने से नहीं दवा

शुक्रवार को राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई ने उक्त हजरतपुर केंद्र पर निरीक्षण किया और दस्तावेज देखा करने के साथ पूछताछ की गई। तो लखनऊ टीम को पता चला कि इस केंद्र को स्वास्थ्य विभाग ने चार महीने से दवा ही नहीं दी है, यहां मरीजों का उपचार या तो प्राइवेट मेडिकल से अपने वाली दवाओं से हो रहा या फिर केंद्र पर पड़ी एक्सपायर दवाएं दी जा रही हैं।

सीएचसी पर निरीक्षण करने गए, एमओआईसी तथा बीपीएम जानकारी के बाद भी छुट्टी लेकर चले गए। जिले में सीएचसी-पीएचसी पर स्वास्थ्य सेवाओं के हालात काफी खराब है।

अरविंद त्रिपाठी, कंटलसेंट आईईसी, राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई लखनऊ